

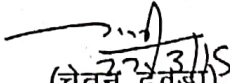
प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रार्थी को अपना पक्ष प्रस्तुत करने हेतु जरिये नोटिस तलब किया गया। प्रार्थी का नोटिस बाद तामिल प्राप्त होने के उपरान्त भी प्रार्थी बावजूद सूचना के नियम पेशी दिनांक को हाजिर नहीं हुआ अथवा न ही उनकी ओर से पैरवी हेतु अभिभाषक का वकालतनामा पेश हुआ है। प्रार्थीगैर हाजिर होने से उनके विरुद्ध दिनांक 27.02.2019 को एकतरफा कार्यवाही करने के आदेश दिये गये।

प्रकरण में प्रार्थी विभागीय पैरोकार की एकतरफा बहस समाप्त की गई। प्रार्थी विभागीय पैरोकार ने बहस में प्रार्थना-पत्र के तथ्यों की पुनरावृत्ति कर जप्तशुदा 616 लीटर केरोसीन मय ड्रम को राजसात करने का अनुरोध किया।

हमारे द्वारा प्रार्थी विभागीय पैरोकार की एकतरफा बहस पर मनन किया गया तथा पत्रावली एवं उस पर उपलब्ध दस्तावेजों का गहनता से अध्ययन किया गया। पत्रावली के अध्ययन से स्पष्ट है कि प्रार्थी उचित मूल्य की दूकान माण्डवा खापरडा-11 के पोश मशीन के स्टॉक 1020 लीटर केरोसीन के मुकाबले 1640 लीटर केरोसीन पाया गया जो 616 लीटर अधिक है। इससे स्पष्ट है कि प्रार्थी द्वारा उपभोक्ताओं के नियमानुसार केरोसनी का वितरण नहीं किया गया है। प्रार्थी का उक्त कृत्य नियम विरुद्ध होकर केरोसनी की कालाबाजारी करने की मानसिकता को दर्शाता है। प्रार्थीका उचित नूल्य की दूकान में 616 लीटर केरोसनी स्टॉक से अधिक पाया जाना राजस्थान खाद्यान्न एवं अन्य आवश्यक पदार्थ (वितरण का विनियमन) आदेश 1976 की शर्त संख्या 5, 8, 11 व 17-ग का स्पष्ट उल्लंघन किया है। प्रकरण में प्रार्थी स्वयं हाजिर नहीं हुआ है तथा न ही पैरवी हेतु उनके द्वारा किसी अभिभाषक को नियुक्त किया है। उक्त स्थिति में जप्तशुदा 616 लीटर केरोसीन तेल व प्रयुक्त ड्रमों को राजसात करना उचित होगा।

अतः उपर्युक्त तथ्यों के आधार पर प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र स्वीकार किया जाता है। 3 लोहे के ड्रम में 616 लीटर केरोसीन तेल का राजसात करने के आदेश दिये जाते हैं। जिला रसद अधिकारी डूंगरपुर द्वारा जप्त किये गये 616 लीटर केरोसीन तेल मय ड्रम सुपूर्दकर्ता से प्राप्त कर नजदीकी उचित मूल्य की दूकान के अधिकृत विक्रेता के माध्यम से राज्य सरकार द्वारा निर्धारित दर पर वितरण कराकर उससे प्राप्त राशि सक्षम न्यायालय के निर्णय तक अपने कार्यालय में अमानत के रूप में जमा रखी जावे। जिला रसद अधिकारी डूंगरपुर उक्त केरोसनी तेल का उपरोक्तानुसार निस्तारण करावें। पालना हेतु निर्णय की प्रति जिला रसद अधिकारी डूंगरपुर को भिजवाई जावें।

निर्णय आज दिनांक 27.03.201 को खुले न्यायालय में सुनाया गया। पत्रावली बाद नंबर से कम होकर फैसल में शुमार हो।


(चेतन देवडा)
जिला कलक्टर
डूंगरपुर